B.Ed - 2nd Year **Nakul Sah**

Biological Science **Assistant Professor**

Course- 7(b)

Lecture – 15

Science Club
विज्ञान क्लब

विज्ञान क्लब माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों द्वारा विज्ञान शिक्षकों की देखरेख में चलायी जाने वाली समितियां है। विज्ञान क्लब विज्ञान सम्बन्धित रूचि के क्षेत्र में कार्य करने और सीखने का अनौपचारिक ढंग से अवसर देता है। विज्ञान क्लब छात्रों को मौलिक चिन्तन, क्रियाशीलता एवं कार्यक्षमता प्रदान करने हेतु उन्मुक्त अवसर प्रदान करता है। इससे छात्रों में निर्णय लेने की शक्ति का विकास होता है। बालको में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने, वैज्ञानिक गतिविधियों का वास्तविक अनुभव ग्रहण करने और कक्षान्तर्गत प्रायोगिक अन्य कार्यो के परूक कार्य देकर उनके समय का सदुपयोग का अवसर दिया जाता है। ऐसी सस्था को **विज्ञान क्लब** का नाम दिया गया।

विज्ञान क्लब के दो महत्वपर्ण सिद्धान्त हैं –

1. करके सीखना
2. जीवन से सीखना

इन दोनों सिद्धान्तों का विज्ञान क्लब के सफल सचांलन में महत्वपर्ण योगदान है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद, (एन.सी.ईआर.टी.) नई दिल्ली के तत्वावधान में विद्यालयों में विज्ञान क्लब की स्थापना को प्रोत्साहित करने एवं उन्हें सफल बनाने के लिए परिषद द्वारा हर सम्भव सहायता दी जा रही है।

विज्ञान क्लब के उददेश्य –

विज्ञान क्लब अनेक प्रकार के उददेश्यों के लिए कार्य करते हैं, जो इस प्रकार है

1. वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।

2. विज्ञान में रूचि जागृत करना और इससे सम्बन्धित कार्य करने को प्रेरित करना।

3. छात्रों में वैज्ञानिक ढंग से कार्य करने की आदत डालना।

4. अवकाश के समय का सदुपयोग कर सकने की प्रेरणा देना।

5. विद्यार्थियों की रूचि व क्षमताओं को जाग्रत करना।

6. विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं अन्वेषणात्मक शक्तियों के स्वाभाविक उपयोग हेतु उचित अवसर प्रदान करना।

7. विज्ञान क्लब छात्रों को चार्ट, मॉडल एव रेखाचित्र आदि बनाने के अवसर प्रदान करता है एवं उन्हें विज्ञान मेलों व विज्ञान प्रदर्शनियों में सक्रिय भागीदारी बनाने में प्रेरणास्पद होता है।

8. छात्रों को स्वयं कार्य करने का अवसर प्रदान कर परिश्रम के प्रति निष्ठा जागृत करना।

विज्ञान क्लब का सगंठन –

विज्ञान क्लब की कार्य समिति का गठन करने हेतु अध्यापक को यथासम्भव जागरूक एवं योग्य छात्रों का चयन करना चाहिए। क्लब के विभिन्न पदों का सगंठन इस प्रकार किया जा सकता है।

1. सरंक्षक – विद्यालय का प्रधानाचार्य
2. सचांलक – विज्ञान अध्यापक विज्ञान क्लब के संचालक का कार्य विज्ञान विषय के सबसे अनुभवी अध्यापक को ही यह उत्तरदायित्व सौंपा जाना चाहिए। सचांलक

या अध्यक्ष के तत्वावधान में छात्रों में से निम्न पदों हेतु चुनाव कराया जाना चाहिए –

उपाध्यक्ष,

सचिव,

उप सचिव,

काषाध्यक्ष,

पुस्तकालय सचिव,

सगंठन सचिव,

प्रचार अधिकारी,

सामाजिक सचिव,

भण्डार सचिव,

कक्षा प्रतिनिधि

विज्ञान क्लब की गतिविधियां –

विज्ञान क्लब में सम्मिलित की जाने वाली गतिविधियों का निर्धारण सूझ बूझ के आधार पर करना चाहिए। क्लब की सफलता गतिविधियों का सही रूप में चुनाव पर ही निर्भर करती है। क्लब की गतिविधियां कभी भी सदस्यों पर थोपी नही जानी चाहिए, वरन, उनकी इच्छा और रूचि के अनुसार निर्धारित की जानी चाहिए। **कुछ पमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं –**

1. वैज्ञानिक परिभ्रमण का आयोजन करना जैसे विज्ञान मेलों, प्रदर्शनी आदि।
2. प्रायोजना लेकर सदस्यो ं के समूह द्वारा उस पर कार्य करना, जैसे साबुन, स्याही, शर्बत, मंजन, पॉलिस, स्कवैश, चॉक आदि का निर्माण करना।

3.शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करना जैस प्रतिदर्श, चार्ट, उपकरण, ग्राफ, चित्र आदि का निर्माण कार्य।

4. मौसम सबंधी अध्ययन के लिए रिकार्ड रखना जैसे प्रतिदिन के तापमान बायुदाव, आर्द्रता, हवाओ ंकी गति, बादलों की स्थिति आदि के ऑकडों का संग्रह कार्य।

5. विज्ञान संबंधी विषयों पर व्याख्यान, वाद विवाद प्रतियोगिता, सम्मेलन, विचार विमर्श विचार गोष्ठियां एवं प्रदर्शनी का आयोजन करना।

6. विज्ञान समाचार बुलेटिन का प्रकाशन करना।

7. विज्ञान से सम्बन्धित समारोहों का आयोजन करना जैसे वैज्ञानिक महत्व के दिवस, वैज्ञानिकों के जन्मदिन, विभिन्न आविष्कारों से सम्बन्धित विशेष आयोजन आदि।

8. विज्ञान फिल्मों का प्रदर्शन करना।

9. ग्रामीणो ंके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान शिविर आयोजित करना।

10. वैज्ञानिक सिद्धान्तों पर आधारित आशुरचित उपकरणों का निर्माण।

11. विज्ञान सम्बन्धी महत्वपर्ण समाचारो ंका समाचार पत्रों से सकंलन कर बुलेटिन बोर्ड पर प्रदर्शन करना।

THE END